VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 07 SEP 2023 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2088)

Name of Candidate	Neeraj Dhakad		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	1177040
Center	M.N.	Date	07/09/2023

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI.**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended	Strongly Recommended

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

For one-to-one mentoring session on this copy, call us at 7042691891 or send an email to appointment@visionias.in

खण्ड-A (Section-A)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:

1.(a) दोहरे प्रभाव का सिद्धांत इस विचार पर आधारित है कि यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार या आचरण किसी ऐसे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए है जो नैतिक रूप से सही है, लेकिन उसके परिणामस्वरूप एक नैतिक दुष्प्रभाव भी पड़ता है, तब भी उस विशेष व्यवहार या आचरण को अपनाना स्वीकार्य होगा। यह सिद्धांत कठिन नैतिक स्थितियों को सुलझाने में कहां तक सहायता कर सकता है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

The principle of double effect is based on the idea that if a person's behaviour or conduct is intended to achieve a goal which is morally good, however, as a result, there is a morally bad side-effect, then it is still acceptable to adopt that particular behaviour or conduct. How far can this principle aid in resolving difficult moral situations? Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

दोहरे प्रभाव के सिद्धांत से आशय है कि व्यक्ति के कार्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये नैतिक रूप से सही है लेकिन उसका एक अलग नैतिक दुष्प्रभाव देखने को मिल सकता है

दोहरा प्रभाव कठिन नैतिक परिस्थितियों के समाधान के लिये -

① ईमानदारी सुनिश्चित करने में
↳ किसी व्यक्ति की ईमानदारी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये अनुकूलित है लेकिन उसके कार्य करने की धीमी गति एक नैतिक दुष्प्रभाव उत्पन्न कर सकती है

② कार्यकुशलता को बनाये रखने में
↳ व्यक्ति के कार्यों को कंपनी या संगठन में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वीकार्य करना पड़ता है भले वे कार्य नियमों से सामंजस्य करने में सफल नहीं होते हैं

③ भ्रष्टाचार अंकुश

– संगठन या संस्था में जवाबदेहिता सुनिश्चित करने के लिये दोहरा प्रभाव सहायक हो सकता है

④ पारदर्शिता

↳ दोहरे प्रभाव का सिद्धांत पारदर्शिता को सुनिश्चित कर नागरिक अधिकारों को बढ़ावा दे सकता है

⑤ गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता को बढ़ाने में

↳ व्यक्ति के कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता उसके कठिन व्यवहार (स्ट्रिक्ट) की तुलना में कंपनी या संस्था या प्रशासन में सहायक होती है।

निष्कर्षतः दोहरा प्रभाव को नागरिक कल्याण के साथ समन्वित किया जा सकता है।

1.(b) भारतीय गणराज्य ने सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह शीर्ष को अपने राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में चुना, ताकि वैसी ही सद्भावना को प्रतिबिंबित किया जा सके जैसी सम्राट अशोक द्वारा हासिल की गई थी और आधुनिक भारतीय राष्ट्र के लोगों के लिए उनके द्वारा लागू की गई मानवीय नीतियों की निरंतरता बनी रहे। इस पृष्ठभूमि में, उन नैतिक शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो सम्राट अशोक के जीवन में प्रतिलक्षित होती हैं।

The Indian Republic chose Ashoka's Lion Capital at Sarnath as its state emblem to reflect the same harmony achieved by him and effect a continuity with his humane policies towards the people of the modern Indian nation. In this background, discuss the ethical teachings that find resonance in Ashoka's life. (Answer in 150 words) 10

सम्राट अशोक ने जनता से संबंधो को बढ़ावा देने के लिये अभिलेखों एवं स्तंभों का निर्माण कराया, तो साथ ही स्तंभो पर पशुआकृतियों का निर्माण कराया है जैसे सारनाथ स्तंभ के शीर्ष पर चार शेर की आकृति।

सारनाथ स्तंभ के शीर्ष पर बैठे चार शेर जो अहिंसक मुद्रा में है जो शक्ति एवं संयम को दर्शाता है तथा इसे भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया है।

यह राष्ट्रीय प्रतीक न सिर्फ प्रतीक है बल्कि भारतीय विदेश नीति को भी उद्घाटित करता है। जिसके माध्यम से शांति एवं सद्भाव को अपनाने पर बल दिया गया है।

एवं भारत परमाणु सम्पन्न होकर भी (no first use) 'पहले प्रयोग न करने' की नीति को उद्घाटित करता है

अशोक की शिक्षाएँ

- सम्राट अशोक द्वितीय शहद अभिलेख में धम्म नीति को अपनाने की बात करता है एवं धम्म की व्याख्या करता है -

"अपासिनेव बहुकयाने दया दाने सचे शोचये मादवे साधवे च।"

1. अपासिनेव - बहुत से
2. बहुकयाने - कल्याणकारी
3. दया → दयालुता दिखाना
4. दान → दान-धर्म करना
5. सचे → सत्य ग्रहण करना
6. शोचये → शुचिता एवं ईमानदारी पूर्वक जीवन
7. मादवे → मृदुता ग्रहण करना
8. साधवे → साधुता अर्थात संयम जीवन जीने पर बल देता है।

निष्कर्षतः अशोक की शिक्षाएँ तत्कालीन समाज में नैतिकता को स्थापित करती थी जिसकी प्रासंगिकता वर्तमान में बनी हुई है।

2088

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2.(a) करुणा और सहिष्णुता अनिवार्यताएं हैं, विलासिता नहीं क्योंकि इनके बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती। करुणा और सहिष्णुता के मूल्य किसी लोक सेवक के दैनिक काम-काज में कैसे सहायता करते हैं? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Compassion and tolerance are necessities and not luxuries, as without them, humanity cannot survive. How do the values of compassion and tolerance assist in the day-to-day functioning of a civil servant? Explain using suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उन व्यवहारों, विश्वासों को स्वीकार करने की क्षमता जो आपके स्वंय के विचार, विश्वास से भिन्न हो, सहिष्णुता कहलाती है

तो वहीं करुणा का तात्पर्य है किसी व्यक्ति, समुदाय के दुःख-दर्द को समझना और उन्हें दूर करने के प्रयास करने से है

करुणा, लोक सेवक के दैनिक काम काज में सहायक

(1) लोगों एवं व्यक्तियों की समस्याओं को जानना

जैसे वीरेन्द्र मिश्रा (MP कैडर, IPS)
→ बेड़िया समुदाय की समस्याओं को जाना जो वेश्यावृत्ति में संलग्न थे जिन्हें मुख्य धारा में लाने के लिये 'संवेदना' NGO के माध्यम से कार्य

(2) सामाजिक कल्याणकारी कार्य
→ M.G. राजमानिक्कम (केरला, IAS) द्वारा बाढ़ के दौरान स्वंय चावल का वितरण किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ सेवा भावना की मौजूदगी
- जैसे - रोशाड अल्ला (मिजोरम, IAS)
  - 'माय फार्म, माय स्कूल' अभियान के माध्यम से मानव्यादिशान से लड़ाई लड़ी

सहिष्णुता लोक सेवक के नैतिक कामकाज में

① अन्य विचारों की स्वीकार्यता
जैसे - संजीव गुप्ता (MP कैडर IAS)
- अवसंरचना के विकास के लिये धार्मिक समन्वय को बढ़ावा दिया गया

② सहिष्णुता के माध्यम से रचनात्मकता का विकास होता है
जैसे - रूढ़िवादियों एवं पूर्वाग्रहों की समाप्ति को बढ़ावा देना।

'सहिष्णुता ही सभ्यता की असली कसौटी है'
— आर्थर हेल्पस

सहिष्णुता एवं करुणा को दलाई लामा ने आवश्यकता कहा है जिसकी प्रासंगिकता वर्तमान में मौजूद सामाजिक तनाव एवं संघर्षों की समाप्ति में सहायक हो सकती है।

2088
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2.(b) जवाबदेही के लिए पारदर्शिता एक अनिवार्य शर्त है, लेकिन यह स्वतः जवाबदेही की गारंटी नहीं देती है। चर्चा कीजिए। किन परिस्थितियों में पारदर्शिता जवाबदेही की ओर ले जाती है?
Transparency is a necessary condition for accountability, but it does not automatically guarantee accountability. Discuss. Under what conditions does transparency lead to accountability? (Answer in 150 words) 10

किसी व्यक्ति को दी गई विवेकाधीन शक्तियों के साथ उस व्यक्ति पर यह बाध्यता होती है कि उसके द्वारा किये गये कार्यों की वह संतोषप्रद व्याख्या करे, यही जवाबदेहिता कहलाती है।

जवाबदेहिता सुनिश्चित करने के लिये पारदर्शिता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है
जैसे - RTI एक्ट, 2005 के माध्यम से पारदर्शिता को लागू कर जवाबदेहिता को सुनिश्चित किया गया है।

तो वहीं समाज या संगठन में पारदर्शिता को लागू किया जाये लेकिन उसे जवाबदेहिता के साथ सम्बन्धित नहीं किया जाये तो वह स्वतः जवाबदेहिता को लागू नहीं करती है।
जैसे - सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पारदर्शिता है लेकिन जवाबदेहिता को सुनिश्चित करने में सफल साबित नहीं हुये हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भिन्न परिस्थितियों में पारदर्शिता जवाबदेही की ओर ले जाती हैं -

① नागरिक केन्द्रित शासन को बढ़ावा दिया जाये तो
↳ उदाहरण - मेघालय सरकार द्वारा नागरिक सहभागिता के माध्यम से कार्यों का क्रियान्वयन (सिटीजन घोषणापत्र)

② सुशासन को बढ़ावा देने से
↳ 2nd ARC की रिपोर्ट में सुशासन को बढ़ावा देने से जवाबदेहिता के वृद्धि को बताया गया है

③ कानून के माध्यम से पारदर्शिता लाकर
उदाहरण - RTI एक्ट 2005 के माध्यम से सूचना का प्रकटीकरण पर बल
→ लोकपाल एवं लोकायुक्त एक्ट, 2013 के

④ डिजीटल तकनीक माध्यम से भ्रष्टाचार पर अंकुश
↳ ई-चौपाल, CPGRAMS जैसे शिकायत निवारण तंत्रों के माध्यम से।

~~विकल्प~~ जवाबदेहिता सभ्य समाज की पहचान है - ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
तो वहीं पारदर्शिता को UNDP ने कार्यों को खुले रूप में कार्य करने पर बल दिया है।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What does each of the following quotations mean to you?

(a) "एक महान व्यक्ति एक प्रतिष्ठित व्यक्ति से इस मायने में भिन्न होता है कि वह समाज का सेवक बनने के लिए तैयार रहता है।" डॉ. भीमराव अंबेडकर

"A great man is different from an eminent one in that he is ready to be the servant of the society." B.R. Ambedkar (Answer in 150 words) 10

डॉ. भीमराव अंबेडकर का महान व्यक्ति से आशय सामाजिक कल्याण से जुड़ाव है जहाँ व्यक्ति की प्रतिष्ठा मायने न रखते हुये उसके कार्यों को तरजीह दी जाती है।

महान व्यक्तियों के रूप में शामिल किया जाता है -

① समाज सेवा के रूप में

- कैलाश सत्यार्थी - बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने का प्रयास किया
- बाबा आम्टे द्वारा पर्यावरण के प्रति लगाव रखते हुये उसका समाज के लिये महत्व को उद्घाटित किया
- महात्मा गाँधी - द्वारा रचनात्मक कार्यों पर बल

2088
VISION IAS™
Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

देकर लोगों से जुड़ना

- राजेन्द्र सिंह (जलपुरुष)
जिन्होंने समाज में जलसंरक्षण को बढ़ावा दिया और समाज को जल की महत्वता से अवगत कराया

- बिल गेट्स
↳ समाज सेवा के लिये अपनी संपत्ति का एक हिस्सा दान कर देते हैं और 'मिलिण्डा एवं गेट्स फाउण्डेशन' का संचालन करते हैं।

प्रतिष्ठित व्यक्तियों को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रमुख रूप से लिया जा सकता है लेकिन वे समाज सेवा से जुड़े नहीं रहे।
जैसे - • राकेश झुंझुनवाला शेयर मार्केट में प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में
• पार्टी अकाउंटर
• व्यवसायी व्यक्ति आदि।

भागवत गीता में लिखा है कि महान व्यक्तियों के कार्यों का ही सामान्य लोग आचरण करते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3.(b) "हमारे धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, भाषाएं अलग-अलग हो सकती हैं, त्वचा का रंग अलग-अलग हो सकता है, लेकिन हम सभी एक ही मानव जाति से संबंधित हैं।" कोफी अन्नान

"We may have different religions, different languages, different colored skin, but we all belong to one human race." Kofi Annan (Answer in 150words) 10

व्यवहारों, विचारों, भाषा, को अपनाने की क्षमता जो आपके विचार, अभिव्यक्ति से भिन्न है समाज में प्रेम, सद्भाव, सहिष्णुता को बढ़ावा देती है।

उपरोक्त उद्धरण में सहिष्णुता के माध्यम से मानव जाति के उत्थान को बढ़ावा देने का कार्य किया है जहाँ शान्ति-संघर्ष की जगह सहिष्णुता एवं प्रेम एवं सद्भाव को बढ़ावा दिया जाये।

रंगभेद की समाप्ति के रूप में अफ्रीका में नेल्सन मंडेला के प्रयासों को लिया जा सकता है-

→ भाषायी विविधता होने के बावजूद भारत में एकता के ~~उदा~~ उदाहरण को लिया जा सकता है जहां विभिन्न-भाषा-भाषी लोग एक ही देश को साझा करते है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ धार्मिक सद्भाव को भारत के धर्मनिरपेक्ष के तत्वों के रूप में देखा जा सकता है, तो साथ ही साथ मना मनाने वाले उत्सवों के रूप में देखा जा सकता है।

मानव जाति के उत्थान के लिये वर्तमान में मौजूद समस्याओं के लिये एकीकृत दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता है जिसके तहत -

① पर्यावरणीय असंतुलन से निपटा जा सकेगा
उदाहरण - पेरिस शांति समझौते का क्रियान्वयन

② भ्रष्टाचार के विरुद्ध
↳ UN कन्वेंशन अगेन्स्ट करप्शन 2003 का
↳ FATF द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध नीतियाँ

③ आंतकवाद के विरुद्ध
↳ UNSC का 1373 प्रस्ताव

एक सहिष्णु समाज को बनाये रखने के लिये असहिष्णुता के प्रति असहिष्णु होना पड़ेगा
— कार्ल पॉपर

अर्थात्, समाज के टॉलरेंस को बढ़ावा देकर सामाजिक समस्या को प्राप्त किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3.(c) "शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों का नहीं, बल्कि मूल्यों का ज्ञान है।" विलियम राल्फ इंगे

"The aim of education is the knowledge, not of facts, but of values." William Ralph Inge (Answer in 150 words) 10

शिक्षा से आशय व्यक्ति में एक आवश्यक जमझ विकसित करने से है जिसका उद्देश्य समाज, विश्व में मानवता को बढ़ावा देना है।

शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों को प्राप्त करने से ना होकर एक समझ का विकसित करने से है, वस्तुतः तथ्यात्मक जानकारी आपको बेहतर इंसान नहीं बना सकती है बल्कि इसकी तुलना मशीन से की जाती है।

मूल्यों का ज्ञान

(i) सामाजिक क्षेत्र में
- कल्याण एवं सेवा भाव को बढ़ावा देना
  - मदर टेरेसा का नाम लिया जाता है
  - प्रशांत नायर जिन्होंने केरला में आयोजन कुतेमानी के माध्यम से भूखे लोगों के लिये खाद्य उपलब्ध कराया

(2) तो वहीं राजनीति को मूल्यों से सम्बद्ध किया

उदाहरण – लाल बहादुर शास्त्री → भारत को बढ़ाया
अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा
राजनीति को जन कल्याण से जोड़ा

(3) सांस्कृतिक क्षेत्रों में मूल्यों में वृद्धि
→ बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म के सिद्धांतों
को देखा जा सकता है

(4) धार्मिक मूल्य
→ जहां भारत में धार्मिक मूल्यों को नैतिकता
से जोड़ा जाता है
जैसे 'सर्वधर्म समभाव' उपनिषदों में वर्णित है

(5) वैज्ञानिक मूल्यों के रूप में डा. ए.पी.जे. कलाम
को लिया जा सकता है जिन्होंने समर्पण
को बढ़ावा दिया

(6) सत्यनिष्ठा जैसे मूल्य
उदाहरण - भीष्म पितामह जिनके कार्य नीतियों
में संगति थी।

निष्कर्ष: कहा जा सकता है सामाजिक मूल्य
कल्याणकारी राज्य की अवधारणा से जुड़
जाते हैं।

2088
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4.(a) नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस की अवधारणा समता के संतुलन के सिद्धांत पर काम करती है, जिसके तहत एक तरफ कंपनी, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, वित्त-पोषकों, सरकार और शेयरधारकों तथा दूसरी तरफ बड़े पैमाने पर समुदाय के हितों में संतुलन बनाए रखा जाता है। नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने में कौन-से मूल्य मुख्य भूमिका निभाते हैं?

The concept of ethical corporate governance works on the principle of balance of equity, which seeks to balance the interests of the company, customers, suppliers, financers, government and shareholders on the one hand and the community at large on the other hand. Which values play a central role in ensuring ethical corporate governance? (Answer in 150 words) 10

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस ऐसी अवधारणा है जिसमें नैतिक मूल्यों एवं उन व्यवहारात्मक मानदंडों को शामिल किया जाता है जो मानवीय मूल्यों के साथ समता रखते हैं।

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने में कौनसे मूल्यों की भूमिका

① पारदर्शिता
→ कंपनी एक्ट, 2013 के माध्यम से प्रकटीकरण, रिपोर्टिंग, निगरानी पर बल दिया गया है

② जवाबदेहिता
→ बेहतर निदेशक बोर्ड एवं SEBI के विनियामक नीति

(3) गांधीवादी दृष्टिकोण

जिसमें लोगों, ग्रह एवं लाभ के बीच संतुलन को संजोया गया है

(4) समता एवं समावेशन
- समता के तहत कॉर्पोरेट शासन में समानता पर बल बिना किसी भेदभाव के
- CSR के माध्यम से समावेशन पर बल

(5) कार्यकुशलता एवं प्रभावशीलता
- कार्यकुशलता के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम
- परिणामों को प्रभावशीलता के साथ एकीकृत

(6) ईमानदारी के माध्यम से
- भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सकता

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस के माध्यम से सामाजिक एवं वितरणात्मक न्याय तथा पर्यावरणीय न्याय के साथ प्राकृतिक न्याय को प्राप्त किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4.(b) खराब कार्य परिवेश और अतिरिक्त श्रम ऐसी सामाजिक समस्याएं हैं, जिनके लिए सरकार, श्रमिक संघों, स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कॉर्पोरेट जगत को उचित नीति निर्माण करने की आवश्यकता है। इस संबंध में उचित नीति निर्माण करते समय किन नैतिक मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए?

Toxic work environment and overwork are social problems, which require the government, labour unions, health officials and corporates to formulate appropriate policies. What are the ethical issues that should be considered while formulating appropriate policies in this regard? (Answer in 150 words) 10

कार्य संस्कृति से आशय परिवेश, व्यवहार एवं कर्मचारियों की अंतःक्रिया है जिसमें भौतिक एवं मानवीय विशेषताओं का समावेशन किया जाता है।

उचित नीति निर्माण की आवश्यकता

- कार्यस्थल पर यौन हिंसा को नियंत्रित करने के लिये
- भेदभाव एवं जातिवाद को नियंत्रित के लिये
- बेगार एवं जबरन श्रम की समाप्ति के लिए
- मानवाधिकारों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिये।
- पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता सुनिश्चित करने के लिये
- सामाजिक तनाव को कम करने के लिये
- लैंगिक हिंसा एवं भेदभाव को रोकने के लिये।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उचित नीति निर्माण करते समय नैतिक मुद्दे

① लैंगिक हिंसा → POSH एक्ट, 2013

② पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता
उदाहरण - शिकायत निवारण तंत्र
- RTI एक्ट 2005 के माध्यम से

③ नियुक्तियों में भेदभाव की समाप्ति पर बल दिया जाना चाहिये

④ लैंगिक समानता
→ अनुच्छेद 39(d) - समान कार्य के लिये समान वेतन पर बल

⑤ बंधुआ श्रम पर रोक
→ उदाहरण → अनुच्छेद - 23 एवं 24

⑥ बाल श्रम
→ ILO के 138 एवं 182 कन्वेंशन को लागू किया जा सकता है।

निष्कर्षतः उपर्युक्त मुद्दों के समाधान के लिये सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी सहायक हो सकती है।

5.(a) नेतृत्वकर्ताओं के लिए, सफलता हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता का होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें दूसरों की भावनाओं को सहजता से समझने और उनकी भावनात्मक स्थिति का आकलन करते हुए, अपनी भावनाओं को समझने एवं नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। हालांकि, वर्तमान परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में प्रभावी नेतृत्व के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता से परे जाने और सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता को विकसित करने की आवश्यकता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

For leaders, having emotional intelligence is vital for success as it helps them to read and regulate their own emotions while intuitively grasping how others feel and gauging their emotional state. But effective leadership in today's interconnected world necessitates going beyond emotional intelligence and cultivating cultural intelligence. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

डेनियल गोलमेन द्वारा अपनी पुस्तक 'इमोशनल इंटेलीजेंस व्हाई इट कैन मैटर मोर दैन IQ' में भावनात्मक बुद्धिमत्ता को उद्घारित किया है।

सांस्कृतिक ~~भावनात्मक~~ बुद्धिमत्ता को विकसित करने की आवश्यकता है -

- दुनिया का प्रभावी नेतृत्व के लिये
  उदाहरण - भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा ग्लोबल साउथ समिट का नेतृत्व

- सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता को सामाजिक तनाव में कमी लाने के लिये प्रयोग
  जैसे - हाल ही भारत में मणिपुर हिंसा एवं नूंह में हिंसा देखी गई।

(3) सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता के माध्यम से
कूटनीतिक रिश्तों को स्थिरता प्रदान
करने में जैसे - रूस-यूक्रेन युद्ध

(4) इनके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के
मुद्दे पर एकीकृत दृष्टिकोण
↳ पेरिस जलवायु सम्मेलन एवं ओजोन
क्षरण के विरुद्ध मॉन्ट्रियाल प्रोटोकॉल
को लागू करने के लिये

(5) आतंकवाद के विरुद्ध
↳ सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता का विकास
सहायक हो सकता है जिसमें
विभिन्न माध्यमों से आतंकवाद पर नियंत्रण
पाया जा सकता है SCO-RATS एवं CCIT
के माध्यम से।

Social Intelligence + Personal Intelligence + Emotional Intelligence = Cultural Intelligence

निष्कर्षतः सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता के माध्यम से
सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देकर विश्व
बंधुता को बढ़ाया जा सकता है।

5.(b) शुचिता (प्रोबिटी) सत्यापित सत्यनिष्ठा होती है, जिसके बारे में आमतौर पर माना जाता है कि इसे विकृत नहीं किया जा सकता। अभिशासन में शुचिता का क्या महत्व है? लोक सेवा में शुचिता और नैतिक शासन को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Probity is confirmed integrity, which is usually regarded as being incorruptible. What is the significance of probity in governance? How important is the role of leadership in fostering probity and ethical governance in public service? Explain using suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

शुचिता का अर्थ सही काम करने से नहीं होती है बल्कि सही काम को पूरी ईमानदारी एवं सत्यता के साथ करने से है
(डा. ए.पी.जे. कलाम)

- शुचिता सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देती है क्योंकि यह सिद्धांत एवं व्यवहार में सामंजस्य को बढ़ावा देती है
  जैसे - महात्मा गांधी का सत्याग्रह

- शुचिता को विकृत नहीं किया जा सकता है क्योंकि इसके माध्यम से शासन-प्रशासन में ईमानदारी को बढ़ावा मिलता है
  जैसे = अशोक खेमका द्वारा वाड्रा-DLF डील को निरस्त करना

अभिशासन में शुचिता → पारदर्शिता में वृद्धि

2088
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- जवाबदेहिता में वृद्धि
- पारदर्शिता
  - UP में माफियों के विरुद्ध दुर्गा शक्ति नागपाल द्वारा किया गया कार्य
- प्रभावशीलता में वृद्धि
- समावेशन एवं समता को बढ़ावा

लोक सेवा में नेतृत्व की भूमिका

- शुचिता को बढ़ाने में
  - T.N. शेषन द्वारा चुनाव आयोग को स्वतंत्रता प्रदान करना
  - भ्रष्टाचार के विरुद्ध शंकर द्वारा कार्यवाही
- नैतिक शासन को बढ़ावा
  - सैय्यद सेहरिश असगर (J&K महिला IAS)
    - सैनेटरी नैपकिन एवं रवांपेंयोरी
  - किशोर मकवाना → (स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के माध्यम से)

निष्कर्ष शुचिता एवं नैतिक शासन में नेतृत्वशीलता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जिसे नोलन समिति के सिफारिशों में देखा जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6.(a) भारत में वैवाहिक बलात्कार की धारणा और इसके प्रति अनुक्रिया को आकार देने में नैतिक अभिवृत्ति की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। देश में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने में विद्यमान नैतिक मुद्दों की व्याख्या कीजिए।

Analyse the role of moral attitude in shaping the perception and response to marital rape in India. Explain the ethical considerations in criminalising marital rape in the country. (Answer in 150 words) 10

भारत में वैवाहिक बलात्कार की धारणा एक प्रमुख समस्या बनी हुई है जिसके कारण मानवाधिकारों का उल्लंघन देखा जा सकता है।

वैवाहिक बलात्कार के प्रति नैतिक अभिवृत्ति

नकारात्मक

- जिसके तहत एक समूह इसके विरुद्ध अपनायी जाने वाले अभिवृत्ति जिसमें वैवाहिक बलात्कार को अपराध न मानने पर बल दिया जाता है
- वैवाहिक संस्थाओं को बनाये रखने पर बल दिया जाता है
- सामाजिक तनाव की उपस्थिति एवं संघर्ष का हवाला दिया जाता है।

(सकारात्मक नैतिक अभिवृत्ति)

↳ जिसके तहत इसकी समाप्ति या खत्म किया जाता है।

↳ इसके लिये कानून का उपाय एवं संवैधानिक प्रावधान अनुच्छेद -21 के तहत जीवन के अधिकार का हवाला दिया जाता है।

↳ मानवाधिकारों का उल्लंघन
↳ लैंगिक रूढ़िवादिता आदि

(वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने के नैतिक मुद्दे)

- सामाजिक तनाव
- विवाह संस्था का अपमूल्यन
- न्यायिक बोझ
- आर्थिक गिरावट (क्योंकि वाद-विवादों के कारण)
- सामाजिक रूढ़िवादिता के खिलाफ हो सकता है।
- 'ब्लैकमेल' को बढ़ावा

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि सामाजिक समानता को अपनाने के लिये वैवाहिक बलात्कार जैसी ओच्छी कुरीतियों को समाप्त करना चाहिये।

2088

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6.(b) नैतिक निर्णय के लिए चेतना के अलावा विवेक का होना भी आवश्यक है। उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।
Apart from consciousness, one needs to possess conscience in order to make ethical decisions. Explain with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

निर्णयों में आंतरिक अनुभूति का होना जो प्राय: व्यक्ति के अंतर्गत होती है अंतरात्मा या विवेक कहलाती है।

नैतिक निर्णय के लिये चेतना

- जिस निर्णय को चेतन अवस्था में लिया जाये
  जैसे- योग्य-अयोग्य के बीच संतुलन
- निर्णय के प्रति व्यक्ति की समझ होती है जिसके परिणामों का विचार किया जा सकता है।
- स्वैच्छिक कार्यों में चेतना स्वाभाविक रूप से मौजूद होती है।

नैतिक निर्णय में विवेक (अंतरात्मा) का होना

- आंतरीकृत मूल्यों का होना
  जैसे - कबीर का ~~[illegible]~~ जनहित हित

- अच्छे एवं बुरे के बीच भेद
  - अंतरात्मा का सद्गुण का सिद्धांत

- सार्वभौमिकता
  - कांट के निरपेक्ष कर्त्तव्य को समझा जा सकता है।

- सामाजिक कार्य
  - हीराबाई लोबी → जिन्होंने सामाजिक कल्याण के माध्यम से सिद्दी समुदाय के 700 महिला एवं बच्चों के जीवन को बेहतर बनाया
  - आर्मस्ट्रांग पाम
    - क्राउडफंडिंग के बल पर 100 किमी की सड़क का निर्माण

- अंतप्रज्ञा का नैतिक पक्ष ही अंतरात्मा कहलाता है

- अंतरात्मा ईश्वर की आवाज है
  - कार्ल बार्थ

निष्कर्षतः अंतरात्मा के माध्यम से सामाजिक कल्याण एवं आंतरिक शांति को प्राप्त किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खण्ड-B (Section-B)

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत मामले का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और फिर इसके बाद आने वाले प्रश्नांशों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. भले ही LGBTQIA+ युगल एक साथ रहते हों लेकिन कानूनी तौर पर वे एक प्रतिकूल स्थिति में हैं। उन्हें वे सारे अधिकार प्राप्त नहीं हैं जो विवाहित जोड़ों को प्राप्त हैं। उदाहरण के लिए- LGBTQIA+ युगल, बच्चों को गोद नहीं ले सकते या सरोगेसी से बच्चा पैदा नहीं कर सकते हैं, उनके पास विरासत, भरण-पोषण और कर लाभ के स्वत: मिलने वाले अधिकार नहीं हैं तथा अपने साथी के निधन के बाद, उन्हें पेंशन या मुआवजे जैसे लाभ नहीं मिल सकते हैं। इससे भी बड़ी बात यह कि विवाह एक सामाजिक संस्था है जो कानून द्वारा निर्मित और विस्तृत रूप से विनियमित है, ऐसे में सामाजिक स्वीकृति के बिना, समलैंगिक युगल एक साथ जीवन जीने के लिए संघर्ष करते हैं।

समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने के लिए हाल के वर्षों में न्यायालयों में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। लैंगिक अधिकार प्रचारकों के अनुसार, समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के बाद समलैंगिक विवाह को मान्यता देना अगला तार्किक कदम होना चाहिए।

हालांकि, दूसरा दृष्टिकोण यह है कि न्यायिक व्याख्या विवाह की अवधारणा को अस्त-व्यस्त या कमजोर न कर दे। यह तर्क दिया जाता है कि सरकार के लिए बीच का रास्ता यह हो सकता है कि वह समलैंगिक युगल की दलीलों पर गौर करने और कोई रास्ता सुझाने के लिए किसी पैनल का गठन करे।

एक जागरूक व्यक्ति के रूप में, जो इस मुद्दे के विभिन्न आयामों को समझता है, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) क्या आपको लगता है कि भारत में समलैंगिक विवाह को राज्य द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए?

(c) आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि क्या कानून सामाजिक परिवर्तन लाने में प्रभावी हो सकता है।

Even if the LGBTQIA+ couples live together, legally, they are on a slippery slope. They do not enjoy the rights that married couples do. For example, the LGBTQIA+ couples cannot adopt children or have a child by surrogacy, they do not have automatic rights to inheritance, maintenance and tax benefits, and after a partner passes away, they cannot avail benefits like pension or compensation. Most of all, since marriage is a social institution that is created by and highly regulated by law, without this social sanction, same-sex couples struggle to make a life together.

A number of petitions have been filed in recent years in courts for the legal recognition of same-sex marriages. Gender rights campaigners believe that recognizing same-sex marriages is the next logical step after the decriminalization of homosexuality.

However, the other point of view is that the concept of marriage ought not to be disturbed or diluted by judicial interpretation. It is argued that a middle path could be for the government to set up a panel to look into the pleas of same sex couples and recommend a way out.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

As an aware individual, who understands various dimensions of this issue, answer the following:

(a) Discuss the ethical issues involved in the case.

(b) Do you think same-sex marriage should be recognised by the State in India?

(c) Critically examine whether law can be effective in bringing about social change. 20

उपरोक्त केस स्टडी में लैंगिक भेदभाव एवं लैंगिक अधिकारों का मामला है जिसमें नवतेज सिंह जौहर बनाम भारत संघ में समलैंगिकता को वैधता प्रदान करते हुये IPC की धारा 377 के कुछ भाग को असंवैधानिक करार दिया था

(a) नैतिक मुद्दे

(1) लैंगिक अधिकार
→ जहाँ संविधान में समानता का अधिकार अनुच्छेद -14, 15, 16 में दिया है को लागू करने के लिये LGBTQIA+ समुदाय के हितों को लागू किया जाना

(2) सामाजिक स्थिति
→ जो हो सकता है समलैंगिक विवाह को अपनाने में विरोध की प्रवृत्ति को अपनायें

(3) न्यायिक मुद्दा
→ जिसके समक्ष प्राकृतिक न्याय की

लागू करने का दबाव होगा

(4) सरकार के समक्ष चुनौती

→ समलैंगिक विवाह को कानूनी बदलाव एवं सामाजिक स्थिरता को सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक कार्यों को किये जाने से है

(5) अन्य मुद्दे

→ इसमें प्रजनन, गोद लेना, विरासत, भरण-पोषण का मामला देखा जा सकता है।

(5) भारत में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने में मेरे सामने इसके परिणाम एवं इसको लागू करने में आने वाली चुनौतियों को देखा जा सकता है।

मेरे अनुसार भारत में राज्य द्वारा पारंपरिक रूढ़ी एवं आधुनिकता के मूल्यों को पहचानते हुये समलैंगिकता विवाह की अनुमति दी जानी चाहिये एवं अनुमति से पहले कुछ कार्य अपेक्षित हैं-

2088
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- सामाजिक जागरूकता अभियान
- सार्वजनिक निजी सहभागिता को बढ़ावा दिया जा सकता
- कानून में आवश्यक बदलाव किया जा सकता है।
- शिक्षा पाठ्यक्रम में लैंगिक समानता को जोड़ा जा सकता है जिसमें LGBTQIA+ के मुद्दों को शामिल किया जा सकता है।

(c) समलैंगिक विवाह के लिये कानून सामाजिक परिवर्तन.

(i) सकारात्मक

- समाज में लैंगिक समानता सुनिश्चित
- सहिष्णुता बढ़ेगी
- भेदभाव की समाप्ति सुनिश्चित
- वंचित समुदाय को समाज की मुख्य धारा में लाया जा सकेगा
- राजनीतिक सशक्तीकरण में वृद्धि
- रूढ़िवादिता में कमी
- पर्यटन बढ़ेगा
- वस्तुतः समलैंगिक युगल देश का भ्रमण

करने के लिये आधारों

(2) नकारात्मक

→ उन्नत एवं गोडलैंड जैसी समस्याओं एवं उद्दों को अतिक रूप नहीं दिया जा सकेगा

→ रूढ़िवादिता के कारण सामाजिक संघर्ष एवं तनाव

→ विवाह एक संस्था के रूप में जिसकी पहचान कमजोर हो सकती है।

निष्कर्षतः कांट के सार्वभौमिकता के सिद्धांत के तहत व्यक्ति को साध्य मानने के नियम के तहत उसके हितों को बदला किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. लॉयड एक सच्चा और ईमानदार अधिकारी है। वह एक ऐसे राज्य में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत है, जो गैंग कल्चर और आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात है। उसके बेदाग ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर, उसे चार महीने पहले राज्य की राजधानी में स्थानांतरित कर दिया गया था। इससे उसकी पत्नी और बेटी भी खुश हैं क्योंकि उनकी पिछली सभी पोस्टिंग की तुलना में राजधानी अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

हाल ही में, एक अपराधी जिस पर मुकदमा चल रहा था और उस पर कई गंभीर मामलों के आरोप थे, की अदालत ले जाते समय कुछ लोगों ने राजधानी में हत्या कर दी।

पुलिस हिरासत में अपराधियों की मौत के मामले में राज्य पुलिस का रिकॉर्ड खराब होने के कारण कई मानवाधिकार संगठन इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले में अदालतों का दरवाजा खटखटाया है और बाद में इसकी जाँच-पड़ताल के लिए राज्य सरकार द्वारा एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है।

चूंकि इस घटना के दौरान अपराधी को ले जाने वाले पुलिस अधिकारी उस पुलिस स्टेशन से हैं जो लॉयड के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे सभी विवरणों के साथ SIT के सामने पेश होना होगा। जांच के दौरान लॉयड को ऐसे विवरण मिले, जो स्पष्ट रूप से एक प्रमुख राजनेता और अपराधी के बीच सांठगांठ को प्रदर्शित करते हैं। उसने एक रिपोर्ट तैयार की और इसे SIT के साथ साझा करने की योजना बना रहा है। उसके निष्कर्षों के आधार पर, संबंधित अपराधी और राजनेता की सांठगांठ उजागर होगी तथा राजनेता पर भी आरोप लग सकते हैं।

लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उससे रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में पूछा और रिपोर्ट से राजनेता को प्रभावित करने वाली जानकारी को हटाने की सलाह दी। लॉयड ने बताया कि रिपोर्ट में उल्लिखित राजनेता सार्वजनिक जीवन में एक बहुत ही प्रमुख व्यक्ति है और राज्य के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ उसके संबंध भी अच्छे हैं। लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे समझाते हुए कहा कि यदि वह उस राजनेता का नाम हटा देगा तो वह सत्ता में बैठे राजनेता का चहेता बन सकता है। इसके अलावा, उसे राजधानी में तैनात रहने में भी मदद मिलेगी, जिससे उनकी पत्नी और बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

(a) इस स्थिति से निपटने के लिए लॉयड के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(b) प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और लॉयड द्वारा अपनाने योग्य सबसे उपयुक्त विकल्प की पहचान कीजिए।

(c) पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों को रोकने के लिए आप क्या उपाय सुझाएंगे?

Lloyd is an honest and upright officer working as the Superintendent of Police in a state, which is notorious for gang culture and criminal activities. Based on his impeccable track record, he was transferred to the state capital four months ago. His wife and daughter are also happy as the capital city is comparatively safer compared to all his previous postings.

Recently, a criminal who was under trial and facing charges in a number of serious cases, was killed by some people in the capital city while he was being taken to the court.

Due to the poor record of the state police in terms of death of criminals in police custody, various human rights organizations are demanding a fair enquiry in the case. They have approached the courts in this matter and subsequently a Special Investigation Team (SIT) has been formed by the state government to look into this issue.

Since the police officers escorting the criminal during this incident are from the police station that comes under Lloyd's jurisdiction, he will be required to depose before the SIT with all the details. While investigating, he came across details, which clearly establish a nexus between a prominent politician and the criminal. He prepared a report and was planning to share it with the SIT. On the basis of his findings, the nexus of the concerned criminal with the politician would be exposed and the politician may also face charges.

Lloyd's senior asks him about the findings of the report and advises him to drop the information implicating the politician from the report. He informs that the politician mentioned in the report is a very prominent figure in public life, and shares good relations with all the major political parties in the state. His senior further informs that this will bring him in the good books of those in positions of power. Further, this will also help him remain posted in the capital city, which ensures the safety of his wife and daughter.

(a) What are the options available with Lloyd to deal with the situation?

(b) Critically evaluate each of the options and identify the most appropriate one for Lloyd to adopt.

(c) What measures would you suggest to prevent deaths in police custody 20

उपरोक्त प्रकरण में भ्रष्टाचार, राजनीतिक गठजोड़, हिरासत में मौत, न्यायपालिका, व्यक्तिगत दायित्व परीक्षण के प्रमुख बिंदु हैं।

(a) लोयड के पास विकल्प

(1) वरिष्ठ अधिकारियों के कहने पर राजनेता का नाम रिपोर्ट से हटा दे

(2) वरिष्ठ अधिकारियों की सलाह बिना माने रिपोर्ट को SIT के साथ साझा करे

(3) रिपोर्ट की आशा न करते हुये अवकाश लेने एवं इस्तीफा का विचार

(4) राजनेता के साथ सीधा संवाद करे और उन्हें अवगत कराये।

(5) विकल्प - (1)

लाभ	हानि
राजनेता का चहेता बन सकता है।	व्यावसायिक सत्यनिष्ठा से समझौता
पत्नी और बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित	कर्तव्यों से विमुख होना
पद, प्रतिष्ठा मिलना	अपराध को बढ़ावा देना

विकल्प (2)

+ve	-ve
व्यावसायिक सत्यनिष्ठा को बनाये रखा जा सकता	बॉस की नाराजगी का शिकार हो सकता है
अपराध के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस	पत्नी और बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं
निष्पक्षता एवं गैर तरफदारी मूल्यों को बढ़ावा	राजनीतिक निर्णयों का सामना करना पड़ सकता है

विकल्प - ③

+ve	-ve
→ व्यक्तिगत हितों एवं राज्यनेता के साथ बेहतर संबंधों को बढ़ावा	• नीतियों में भागना हुआ
→ आगे पद मिलना संभव हो सकता है	• अपराध को बढ़ावा
	• व्यक्तिगत लाभ के लिये व्यावसायिक सत्यनिष्ठा के साथ समझौता

विकल्प - ④

+ve	-ve
• राज्यनेता के साथ बेहतर संबंध	• राजनीतिक गठजोड़ के सहयोगी
• नौकरी को राजधानी में रखने का समर्थन	• सहयोग के कारण अपराध को बढ़ावा
• राज्यनेता की आगे होने वाली कार्यवाही का प्रतिबंध	• भ्रष्टाचार को बढ़ावा

लोकेश द्वारा उपयुक्त विकल्प -

↳ विकल्प - ② सबसे बेहतर विकल्प होगा जहाँ लोकेश की सत्यनिष्ठा एवं अपराध के विरुद्ध उनकी ईमानदारी को लागू किया जायेगा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) पुलिस हिरासत में रोकने के लिये उपाय -

- सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन में भी कैदियों एवं पुलिस हिरासत के मामले को उठाया गया था अतः इनसे निपटने के लिये निम्नलिखित उपाय हो सकते हैं -

- नवीन तकनीकियों का प्रयोग
  - CCTV कैमरा जिसको न्यायपालिका के समक्ष उपलब्ध किया जाये
- हिरासत में मृत्यु को आपराधिक कृत्य मानते हुये पुलिस प्रशासन के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है
- हिरासत में लेने के समय एवं उसके पश्चात उनको समय से (24 घंटे के अंतर्गत) न्यायालय के समक्ष उपस्थित न कराने पर आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- स्पष्ट कानूनों एवं विनियमनों का निर्माण किया जा सकता है
- हिरासत के सुधारात्मक दृष्टिकोण को अपनाया जा सकता है।

निष्कर्षतः पुलिस हिरासत में व्यक्तियों के विरुद्ध हीगेल के सिद्धांत के अनुसार 'की: अनुपालन' को अपनाया जा सकता है जिसमें व्यक्ति के प्रति एक व्यक्ति के जैसा व्यवहार किया जाना चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. राज, बेहद गरीब परिवार से है और आर्थिक तंगी के कारण उसे अपनी उच्चतर शिक्षा भी ठीक से नहीं हो पाई। हालांकि, वह मेहनती था और उसने अपने परिवार का समर्थन करने के लिए कॉलेज के दिनों में ही कमाई शुरू कर दी थी।

उसने अपना करियर, ग्राहक सहायता विभाग में बनाया तथा उसकी ईमानदारी और कड़ी मेहनत के कारण उसे पदोन्नत भी किया गया। हाल ही में, उसे एक बेहद नामी एड-टेक कंपनी से नौकरी का ऑफर मिला। उसने इस ऑफर को सहर्ष स्वीकार कर लिया, क्योंकि यह कंपनी उसके वेतन में अच्छी वृद्धि के साथ-साथ टीम लीड पद पर पदोन्नति ऑफर कर रही थी।

राज इस नई नौकरी से बहुत खुश था और उसे लगा कि उसकी कई वर्षों की मेहनत आखिरकार सफल हो गई है। उसकी नई नौकरी में वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि से उसके लिए उसकी छोटी बहन को पढ़ाना आसान हो जाएगा। हालांकि, कंपनी में ज्वाइन करने के कुछ महीनों के भीतर ही राज को एहसास हुआ कि कंपनी की व्यावसायिक प्रथाओं में कुछ गड़बड़ी है। उसकी ग्राहक सहायता टीम को प्राय: गरीब छात्रों के माता-पिता के फोन आते रहते थे जिन्होंने शिकायत की थी कि कंपनी उन्हें विभिन्न महंगे पाठ्यक्रमों के लिए ऋण या वित्त-पोषण विकल्पों पर गुमराह कर रही है।

कुछ विवरणों को जानने के बाद उसे एहसास हुआ कि उसकी कंपनी की सेल्स टीम गरीब माता-पिता को अपने बच्चों हेतु पाठ्यक्रम खरीदने के लिए लुभाने में कदाचार का सहारा लेती थी। राजू ने इसकी जानकारी अपने विभाग के प्रमुख को दी लेकिन विभागाध्यक्ष को इसकी कोई चिंता नहीं थी। उसके कुछ सहकर्मियों ने उसे बताया कि सेल्स के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एड-टेक उद्योग में यह एक आम प्रणाली है। इसके अलावा, उसे यह भी बताया गया कि हाल ही में स्टार्ट-अप्स में फंडिंग की कमी के कारण कंपनी पर मुनाफा दिखाने का अधिक दबाव है, अन्यथा बड़े पैमाने पर छंटनी होगी।

(a) इस प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त परिस्थितयों में, राज के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) इनमें से प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

(d) राज को कौन-सी कार्रवाई अपनानी चाहिए? वैध कारणों के माध्यम से पुष्टि कीजिए।

Raj comes from a very poor family and due to financial constraints, he had to compromise on his higher education. But, he was hard-working and started earning during his college days to support his family.

He made his career in the customer support department and due to his integrity and hard work, he was promoted. Recently, he got a job offer from a very prominent ed-tech company. He happily accepted the offer, as the company was offering a significant salary hike as well as promotion to a Team Lead position.

Raj was really happy with this new job and felt that his hard work of many years had finally paid off. The significant salary jump in his new job would also help him sponsor the education of his younger sister. But, within a few months of joining, Raj realized that something was wrong with the business practices of the company. His customer support team frequently received calls from parents of poor students who complained about the company misleading them on loans or financing options for the various expensive courses.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

After going into some details, he realized that the sales team of his company was indulging in malpractices to lure poor parents to buy courses for their children. He informed this to the head of his department but the head did not seem concerned. Some of his colleagues informed him that this is a normal practice in the ed-tech industry to achieve sales targets. Further, he was also informed that due to the recent funding crunch in start-ups, the company is under severe pressure to show profits, else there will be mass layoffs.

(a) Identify the ethical issues associated with the case above.

(b) Under the given conditions, what are the options available to Raj?

(c) Critically evaluate each of these options.

(d) What course of action should Raj adopt? Justify with valid reasons. 20

यह केस कड़ी व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के उल्लंघन, ईमानदारी, जवाबदेहिता, सामाजिक सहभागिता जैसे मूल्यों को उद्घाटित करती है।

(a) नैतिक मुद्दे/चर्चा

(1) व्यक्तिगत हित एवं अनैतिकता
जिसके तहत राज की आर्थिक स्थिति में वृद्धि लेकिन उसके द्वारा कंपनी में पाई गई प्रथाओं में गड़बड़ी से चिंतित है

(2) अनैतिक मार्ग को अपनाने या बल
○ जिसके तहत पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने

के लिये लोकलुभावन एवं कदाचार
को अपनाया जा रहा था

③ व्यावसायिक हित
→ कंपनी के हितों को बढ़ावा देने के लिये दबाव

④ कर्मचारियों की छंटनी का मुद्दा
→ कंपनी लक्ष्य की प्राप्ति नहीं करती है तो उसे कर्मचारियों को निकालना पड़ सकता है।

⑤ (c) राज के पास विकल्प एवं आलोचनात्मक मूल्यांकन

① इस मुद्दे को यहीं समाप्त कर अपनी आर्थिक स्थिति पर ध्यान

+ve
- आर्थिक लाभ एवं बहन की शिक्षा पूर्ण होगी
- सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि
- कंपनी के हितों को बढ़ावा

-ve
- व्यावसायिक प्रतिबद्धता से समझौता
- गरीब माता-पिता की परेशानियाँ
- कंपनी की प्रथाओं में कुरीतियाँ और बढ़ सकती है

(2) एक टेक कंपनी के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया का सहारा लिया जा सकता है

+ve	-ve
• व्यावसायिक प्रतिष्ठा को बढ़ावा	• जॉब की नौकरी जा सकती है
• सामाजिक उत्तरदायित्व	• लोगों की नौकरियां जा सकती हैं

(3) एक टेक कंपनी के अंतर्गत निदेशक समिति को इस मामले के प्रति अवगत कराऊँगा और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से इसके परिणामों के बारे में बताकर ऐसी कार्यवाही पर अंकुश लगाने का कार्य करूँगा एवं मॉनिटरिंग के लिये अन्य उपायों जैसे क्राउड मॉनिटरिंग को अपनाया जा सकेगा

+ve	-ve
• व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत हितों को बढ़ावा	• कंपनी कार्य प्रभावित
• सामाजिक कल्याण इत्यादि	• लोगों की जॉब जाने का डर

(d) विकल्प -(3) को राज्य द्वारा अपनाना चाहिये

अपनाये जाने का कारण.

- सामाजिक जवाबदेहिता सुनिश्चित हो सकेगी
- व्यक्तिगत हित एवं व्यावसायिक हितों में समन्वय हो सकेगा
- नेम एंड शेमिंग के माध्यम से सामाजिक कल्याण एवं कर्मचारियों को आगे रखने पर बल।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है लालच व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने में सहायता करता है इसलिये सत्यनिष्ठा, ईमानदारी के माध्यम से नागरिक उन्मुख आते है नीतियों को अपनाया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. नगर निगम प्रमुख के रूप में, आपको एक चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ रहा है जिसमें संबंधित नागरिकों के दो समूहों ने आपसे संपर्क किया है। पहला समूह शहर में आवारा कुत्तों के खतरे के बारे में अपनी निराशा एवं चिंता व्यक्त कर रहा है और दूसरा समूह, इन बेजुबान जानवरों के प्रति करुणा व मानवीय व्यवहार को प्रोत्साहित करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह कर रहा है।

पहली याचिका में आवारा कुत्तों द्वारा समाज के सुभेद्य वर्ग, विशेषरूप से बच्चों पर हमला करने या उन्हें जान से मारने की बढ़ती घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है। उनका कहना है कि यह स्थिति कुत्तों की अपर्याप्त नसबंदी और टीकाकरण के कारण हुई है। वे सड़क के कुत्तों को तत्काल हटाने और उन्हें अन्यत्र भेजने की मांग कर रहे हैं।

हालांकि, दूसरी याचिका में यह कहा गया है कि इस समस्या का मूल कारण अप्रभावी पशु स्वास्थ्य देखभाल और नियंत्रण, अवैध प्रजनन केंद्र, पालतू जानवरों के मालिकों द्वारा उन्हें सड़कों पर छोड़ देना है। उनका तर्क है कि इस स्थिति के लिए ज़िम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए, जानवरों को नहीं।

इसके अतिरिक्त, भारत में ऐसे कानून हैं जिसके तहत सड़कों से कुत्ते को हटाना गैर-कानूनी है। इसका मतलब यह है कि यदि कोई कुत्ता सड़क पर रहता है, तो गोद लिए जाने तक सड़क पर रहना उसका "अधिकार" है। जानवरों के जीवन के अधिकार को मानव सुरक्षा संबंधी चिंताओं के साथ संतुलित करना एक कठिन काम सिद्ध हो रहा है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाएं कौन-सी हैं?

(b) एक याचिका को दूसरे पर तरजीह देने के निहितार्थों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) कौन-सी कार्रवाई से इस स्थिति का तात्कालिक और दीर्घावधि समाधान होगा?

As the Head of the Municipal Corporation, you are faced with a challenging situation wherein two groups of concerned citizens have approached you. One, expressing their frustrations and concerns regarding the menace caused by street dogs in the city and other, taking steps towards encouraging compassion and humane treatment to these silent beings.

The first plea highlights the rising incidents of stray dogs' attacking or killing the vulnerable members of society especially children. They point to inadequate sterilisation and vaccination of dogs as exacerbating the situation. They demand the immediate removal of street dogs and their relocation elsewhere.

The second plea however points to ineffective animal healthcare and control, illegal breeding centres, pet owners abandoning their pets on the streets as root of the problem. They argue that the system or the people responsible for the situation should be punished, not the animals.

Furthermore, India has laws in place that make it illegal to remove a dog from the streets. This means that once a dog is on the streets, it has a "right" to stay there unless adopted. Balancing the animals' right to life with human safety concerns is proving to be a difficult task.

(a) What are the ethical dilemmas involved in the case?

(b) Evaluate the implications of favouring one plea over the other.

(c) What course of action would resolve the situation in the immediate as well as long term? 20

इस मामले में पशुओं के कल्याण एवं लोगों का पशुओं के मानव व्यवहार को प्रमुख केन्द्र बिंदु बनाया गया जिसमें मेरे मानने पशु कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा प्रमुख बिंदु है।

(a) नैतिक दुविधायें

(1) पशु कल्याण बनाम सामाजिक कल्याण

- पशु कल्याण जहाँ पशुओं के अधिकार से है
- सामाजिक कल्याण के लिये सामाजिक सुरक्षा का मामला है

(2) जवाबदेहिता बनाम पशुओं के हित

- एक तरफ पशुओं के लिये मार्ग पाल छोड़ने के उत्तरदायी मालिक
- तो वहीं जवाबदेहिता से परे जाकर पशुओं के हित

(3) जीवन का अधिकार बनाम सामाजिक अधिकार
- पशुओं के जीवन के अधिकार का मामला
- तो वहीं बच्चों की सुरक्षा का मामला प्रमुख रूप से विद्यमान है।

(b) याचिका में दोनों समूहों की बातों का मूल्यांकन किया जायेगा जिसके तहत किसी एक याचिका को तरजीह देने के लिये प्राकृतिक न्याय एवं कांट का सार्वभौमिकता एवं J.S. मिल का उपयोगितावाद को ध्यान में रखा जायेगा जिसके तहत - एक मध्यमा दृष्टिकोण को अपनाया जा सकता है जिसमें -

- सामाजिक सुरक्षा का प्रबन्ध एवं
- पशुओं के कल्याण को बढ़ावा किया जा सकेगा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) तात्कालिक कार्यवाही

→ इसके रूप में मेरे द्वारा निम्नलिखित कार्य किये जायेंगे

- पशु क्रूरता अधिनियम, 1960 का पालन करते हुए पशुओं के लिये 'सेल्टर हाउस' के निर्माण पर बल
- टीकाकरण कार्यक्रमों को लागू किया जा सकता है
- आवारा पशुओं की देखभाल सुनिश्चित के लिये प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान किया जा सकता है।
- NGO के मदद से सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सकता है।

दीर्घकालिक समाधान

→ अत्याधिक सेल्टर हाउस का निर्माण
→ प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों की

स्थापना पर बल दिया जाना

- पालतू पशुओं के प्रति उनके मालिक की जिम्मेदारी को लागू किया जा सकता है
- तीमारदार मालिकों को निश्चितता प्रदान किया जा सकता है।

निष्कर्ष: मेनका गांधी वाद को ध्यान में रखते हुये पशुओं के जीवन को भी महत्वपूर्ण माना जाना चाहिये और उनके जीवन के अधिकार को महत्व दिया जा सकता है तो राज्य ही सार्वजनिक एवं निजी सहभागिता को बढ़ावा दिया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. आप युवा ईमानदार व्यक्ति हैं और जिले के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में आपकी नई नियुक्त हुई है। ब्यूरो में शामिल होने के बाद, आपके कार्यालय को एक गुमनाम व्यक्ति से सूचना मिली कि शहर के नगर निगम में काम करने वाले एक इंजीनियर ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है और वह भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल है। चूंकि कानून में यह स्पष्ट है कि गुमनाम शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की जा सकती, इसलिए आप शिकायत को नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, अगले कुछ हफ्तों में आपको संबंधित इंजीनियर के खिलाफ कुछ और गुमनाम शिकायतें मिलीं। आप उस इंजीनियर के खिलाफ पूछताछ शुरू करते हैं और यह पाते हैं कि वह वास्तव में एक बहुत ही भ्रष्ट अधिकारी है। कुछ समय बाद, आप उसके कार्यालय और घर पर छापेमारी की योजना बनाते हैं, किंतु आपको आज तक उसके खिलाफ निर्धारित प्रारूप में कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है।

छापेमारी के दौरान आपको जो चीजें बरामद हुईं वे आपके और आपके स्टाफ के लिए चौंकाने वाली हैं। आपको न केवल इंजीनियर की क्षमता से कहीं अधिक मात्रा में बेहिसाब धन-दौलत मिली बल्कि सोना, विदेश यात्रा के टिकट, पांच सितारा होटलों में आरक्षण तथा प्रभावशाली राजनेताओं तथा जिले में पहले नियुक्त और वर्तमान में नियुक्त नौकरशाहों के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले।

हालांकि, छापेमारी के तुरंत बाद, आपको अपने वरिष्ठों अधिकारीयों से आपके दीर्घकालिक करियर और प्रियजनों की सुरक्षा के हित में जांच छोड़ने के लिए धमकी भरे संदेश प्राप्त होने लगते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर आरोप लगाते हैं कि आपने छापेमारी के लिए निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया था और यदि यह मामला अदालत तक पहुंच गया, तो प्रक्रियात्मक खामियों के कारण यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा।

चूंकि, आप एक ईमानदार अधिकारी हैं इसलिए आप इन चेतावनियों को अनदेखा करते हैं और अपनी जांच जारी रखते हैं। हालांकि, जल्द ही आपको नियमों का उल्लंघन करने के आधार पर प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया जाता है। आपको यह भी पता चलता है कि आपके कुछ जूनियर्स ने आपके खिलाफ भ्रष्टाचार में शामिल होने की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने यह भी शिकायत की है कि आपने उन्हें जांच को रोकने के लिए न केवल संबंधित इंजीनियर बल्कि उन राजनेताओं और नौकरशाहों से भी पैसे वसूलने का निर्देश दिया, जिनके खिलाफ आपने सबूत इकट्ठे किए थे।

उपर्युक्त परिदृश्य के आधार पर निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न हितधारकों एवं मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) प्रदत्त स्थिति में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) इनमें से प्रत्येक विकल्प के गुण और दोषों का विश्लेषण कीजिए।

(d) औचित्य सिद्ध करते हुए अपनी कार्रवाई पर चर्चा कीजिए।

You are young upright person who has been newly appointed in the Anti-Corruption Bureau of your district. After joining, your office receives a tip-off from an anonymous person that an engineer working with the Municipal Corporation of the city has amassed wealth much beyond his known sources of income and is hand in gloves in corrupt activities. Because the law is clear that anonymous complaints cannot be acted upon, you ignore the complaint. But in the next few weeks, you receive a few more anonymous complaints against the concerned engineer. You begin to make enquiries against the engineer and find that he is indeed a very corrupt officer. Some

time later, you make up your mind to conduct raids on his office and house, even though you have not received any official complaint in the prescribed format against him till date.

What you unearth during the raids is shocking for you and your staff. You find not only vast amounts of unaccounted currency, much beyond the means of the engineer, but also gold, travel tickets to visits made abroad, reservations in five-star hotels, and a whole bunch of clinching evidence against influential politicians and bureaucrats - appointed in the past as well as present ones - in the district.

However, soon after conducting the raid, you start receiving subtle messages from your superiors to drop the investigation in the interest of your own long-term career and the safety and security of your loved ones. They also point out that you had not followed the rules stipulated for conducting the raid, and if the matter were to reach the courts, it would be disposed off in no time due to procedural lapses on your part.

Since, you are an upright officer, you ignore these warnings and continue with your investigation. However, soon you are put on administrative leave on the ground of flouting the rules. You also come to know that a few of your juniors have filed a complaint against you for being involved in corruption. They have also complained that you instructed them to extort money from not only the concerned engineer but also the politicians and bureaucrats against whom you unearthed evidence, to put a halt to the investigation.

Based on the above scenario, answer the following:

(a) Identify the various stakeholders and the issues involved in the case.

(b) What options do you have in the given situation?

(c) Analyse the merits and demerits of each of these options.

(d) Discuss your course of action, with proper justification. 20

उपरोक्त केस स्टडी में कानून कार्य सामाजिक उत्तरदायित्व का मुद्दा प्रमुख है जिसकी वजह से भ्रष्टाचार एवं प्रशासनिक गतिविधियों में द्वन्द्व होता है।

(9) विभिन्न हितधारक

- मैं स्वयं
- नगर निगम में काम करने वाला इंजीनियर
- शिकायत करने वाला इंसान आदि
- वरिष्ठ अधिकारी
- इंजीनियर्स अधिकारी
- नौकरशाह
- मेरा स्वास्थ्य
- प्रशासन एवं समाज

मुद्दे

- भ्रष्टाचार का मुद्दा
- सामाजिक चुनौतियां
- वरिष्ठों की धमकियां

→ ब्यूरोक्रेसी द्वारा ~~भ्रष्टाचार~~ भ्रष्टाचार है
खिलाफ शिकायत

→ सत्यनिष्ठा

→ ईमानदारी से विचलन

→ कानून का उल्लंघन

5 प्रश्न (c) विकल्प एवं उसके गुण दोष

(1) मैं स्वयं को प्रशासनिक अवकाश पर रहते हुये स्वयं के खिलाफ भ्रष्टाचार के केस विरुद्ध एक नैतिक जवाबदारी को मुद्दा बनाने की मांग जिसमें मेरी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को धूमिल किया जा रहा है

गुण

→ आपकी अनुपस्थिति के दौरान पर केस

→ आपकी सत्यनिष्ठा उपस्थित होगी

दोष

- भ्रष्टाचार के विरुद्ध ब्यूरोक्रेसी का गठजोड़
- आपकी नौकरी खतरे में जायेगी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) डेम विरुद्ध हिमालयी के साथ अपनी पहुँच एवं पक्ष को सामने रखूँगा

गुण
- डैम में खड़े मुद्दों पर विचारों को बढ़ावा मिलेगा
- मेरी तटस्थता एवं हिमालयी के मूल्यों को बल

दोष
- नियमों की उल्लंघन
- अदालती कार्यवाही में अपनी कमजोर स्थिति

(3) मीडिया एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना ग्रामवासी के विरुद्ध अदालत का रुख

गुण
- मीडिया द्वारा निष्पक्ष सुनवाई के द्वारा
- सामाजिक सहभागिता से समर्थन के बल मिलेगा

दोष
- न्यायालिक कार्यों में मीडिया की हस्तक्षेप
- सामाजिक जागरूकता का अभाव भी हो सकता है

2088

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(d) मेरी कार्यवाही के रूप में भ्रष्टाचार के खिलाफ सत्यनिष्ठा के साथ अदालत के समक्ष सबूत पेश करूंगा और इस बीच में और सबूत एकत्र करने की कोशिश करूंगा।

– इसके माध्यम से भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रशासनिक जवाबदेहिता सुनिश्चित होगी।

निष्कर्षतः भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को गैर-तरफदारी एवं निष्पक्षता के साथ कार्यों के करने पर बल देना चाहिये तथा 2nd ARC की ई-गवर्नेंस (11th Report) को बढ़ावा दिया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. आपको एक राज्य में मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। हाल ही में, आपके राज्य के दो लोक सेवकों से जुड़ा एक जटिल मुद्दा सामने आया है। दोनों अधिकारी जो अपनी-अपनी भूमिकाओं में उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, सोशल मीडिया पर एक गंभीर सार्वजनिक झगड़े में उलझ गए हैं।

अधिकारी A के द्वारा सोशल मीडिया पर कई इमेज और बयानों को पोस्ट करने के बाद यह विवाद शुरू हुआ, जिसका अंतर्निहित अर्थ यह था कि अधिकारी B, पोस्टिंग और पदोन्नति में अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत संबंधों एवं नेटवर्किंग का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, यह कार्रवाई अप्रमाणित है लेकिन इसने अफवाहों का तूफान खड़ा कर दिया है, जिससे अधिकारी B की प्रतिष्ठा को काफी क्षति पहुंची।

अनुक्रिया स्वरूप अधिकारी B ने सोशल मीडिया पर ही अपना बचाव किया तथा अधिकारी A पर अनैतिक प्रथाओं को अपनाने और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया। वह अपने आंतरिक विभागीय मुद्दों का खुलासा करके एक कदम आगे बढ़ गई, जिसमें अधिकारी A कथित तौर पर शामिल था। इन आरोपों ने न केवल संघर्ष को बढ़ाया बल्कि जनता के सामने संवेदनशील जानकारी भी उजागर कर दी।

अधिकारी A के सोशल मीडिया पोस्ट को एक स्थानीय समाचार आउटलेट ने प्रमुखता से उठाया एवं उसे प्रचारित किया, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई। यह मुद्दा अब राज्य प्रशासन के दायरे से बाहर चला गया है, जिससे सार्वजनिक अटकलें और मीडिया जांच तेज हो गई है।

ये सभी घटनाएं सार्वजनिक मंच पर सामने आई, इससे लोक सेवाओं की छवि खराब हुई है और राज्य प्रशासन के काम-काज में व्यवधान पैदा हुआ। केंद्र सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए दबाव डाला गया है।

(a) इस प्रकरण में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) मुख्य सचिव के रूप में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

You have been appointed as the Chief Secretary in a state. Recently, a complex issue has surfaced involving two civil servants from your state. Both the officers who are known for their excellence in their respective roles have found themselves embroiled in an intense public feud on social media.

Officer A initiated the dispute by posting a series of images and statements on social media, indirectly implying that Officer B has been utilizing personal relationships and networking for gaining undue advantages in job postings and promotions. This action, while unproven, has stirred up a storm of rumors, leading to severe reputational damage to Officer B.

In response, Officer B defended herself on the same platform, accusing Officer A of unethical practices and breach of confidentiality. She went a step further by revealing his internal departmental issues, which Officer A was supposedly involved in. These allegations have not only escalated the conflict but also exposed sensitive information to the public.

Officer A's social media posts have been prominently picked up and publicised by a local news outlet further escalating the situation. The issue has now gone beyond the realms of the state administration, leading to intense public speculation and media scrutiny.

All these events have unfolded on a public platform and have tarnished the image of the civil services and created a disruption in the working of the state administration. The Central Government is closely monitoring the situation and has exerted pressure for appropriate disciplinary action against the officers involved.

(a) What are ethical issues involved in this situation?

(b) What are the options available to you as the Chief Secretary?

(c) Which option would you choose and why? 20

उपरोक्त प्रकरण में सत्यनिष्ठा, जवाबदेहिता, गोपनीयता, निःस्वार्थता एवं ईमानदारी जैसे मूल्य परीक्षण के प्रमुख बिंदु हैं जिनका समाधान किया जाना आवश्यक है

(a) नैतिक मुद्दे

(1) गोपनीयता
→ जिसमें विभागीय जानकारी को बाहर लाना

(2) अनुशासनहीनता
→ प्रशासनिक अनुशासनहीनता के रूप में अधिकारियों के बीच संघर्ष।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) सोशल मीडिया

→ जिसके तहत छवि को कमजोर एवं बदनाम करने के रूप में प्रयोग किया गया

(4) सामाजिक कल्याण एवं लोक सेवा

→ जहाँ सिविल सेवकों का कर्तव्य लोकसेवा एवं सामाजिक कल्याण से जुड़ा होता है उसके विपरीत इनके द्वारा सामाजिक संघर्ष को बढ़ावा दिया जा रहा।

(b) मेरे पास उपलब्ध विकल्प

(1) मैं इस मामले को नजरअंदाज करूँगा क्योंकि यह आपसी संघर्ष है जो कुछ दिनों पश्चात समाप्त हो सकता है और इनके शामिल गोपनीयता के प्रश्न पर कार्यवाही करूँगा

(2) इनके मुद्दे के विरुद्ध विभागीय

गोपनीयता के उल्लंघन के विरुद्ध अधिकारियों को बर्खास्त करूंगा

(3) सिविल सेवा आचरण ~~नियम~~ नियमावली, 1964 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही करूंगा और आगे ऐसे मुद्दों में निपटने के लिये एक खास दृष्टिकोण को अपनाया जा सकता है।

(4) दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार करने का आदेश दूंगा

(C) विकल्प-(3) का मेरे द्वारा चयन किया जायेगा, जिसके तहत सिविल सेवा आचरण ~~नियम~~ ~~नियमावली~~ नियमावली 1964 के तहत कार्यवाही करते हुये सामाजिक तनाव को

कम किया जा सकता है।

तो साथ ही आगे से किसी अधिकारी के विरुद्ध रूढ़ी कार्य शैली के आधार पर कार्यवाही की जा सकती है तथा सिविल सेवाओं के लिये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के सदुपयोग को बढ़ावा देने के लिये जागरूकता कार्यक्रम को बढ़ावा दिया जा सकता है।

निष्कर्षतः लोक सेवकों द्वारा आपस में संघर्ष सेवा की गुणवत्ता एवं लोगों के अधिकार का उल्लंघन करता है अतः शासन को नागरिक अनुकूल बनाने के लिये कार्य करने चाहिये जिसके लिये 2nd ARC की 10th रिपोर्ट कार्मिक प्रशासन का पुनर्गठन पर बल दिया जाना चाहिये।